Title: Re: Need to build elephant corridors in Jharkhand and adjoining states.

श्री संजय सेठ (राँची): हाथियों के उत्पात ने रांची सहित पूरे राज्य में तबाही मचा रखी है । बीते 5 सालों में 462 मौत हाथियों के आतंक से हुई हैं और यह भारत में दूसरे नंबर का राज्य है, जहां इतनी बड़ी संख्या में मौतें हुई हैं । इसका कारण कहीं ना कहीं पर्यावरण के असंतुलन के साथ इंसान की गलतियां भी हैं । झारखंड की जो स्थिति है, उसमें अवैध बालू खनन के कारण लोगों ने हाथियों का रास्ता रोक दिया है । हाथियों का जो कॉरिडोर है, उसमें बंगाल पश्चिम बंगाल ने फेसिंग कर दी है । परिणाम यह हुआ है कि रास्ता बंद होने से हाथी बेकाबू होते जा रहे हैं । वर्तमान समय में रांची और खूंटी जिले में करीब 5 दर्जन से अधिक हाथियों का झुंड फंसा हुआ है, जो कहीं ना कहीं उत्पात मचा रहा है ।

इस साल महज 3 महीने में हाथियों से कुचलकर 20 लोगों की मौत हो चुकी है । दूसरी तरफ भालू भी अब हमलावर होते जा रहे हैं । हाथियों की समस्या के समाधान के लिए कदम उठाए जाएं । जो राज्य हाथियों व जंगली जानवरों के उत्पात से प्रभावित हैं, उनके साथ मिलकर कॉरिडोर बनाया जाए ताकि मानव और हाथियों के बीच चल रहा संघर्ष रुक सके । लोगों की जान बचे ।